



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 315] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 21, 1983/आषाढ़ 30, 1905
No. 315] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 21, 1983/ASADHA 30, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आवेश

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1983

का. आ. 514(अ) :—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 405(अ), तारीख 20 जून, 1977, का. आ. 406(अ), तारीख 16 जुलाई, 1979, का. आ. 556(अ), तारीख 21 जुलाई, 1980, का. आ. 575(अ), तारीख 20 जुलाई, 1981, का. आ. 515(अ), तारीख 21 जुलाई, 1982 और का. आ. 27(अ), तारीख 19 जनवरी, 1983 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 375(अ), तारीख 22 जुलाई, 1975 द्वारा मेसर्स रत्नकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध अन्तिम वर्णित आदेश में निर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय ने 21 जुलाई, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए ग्रहण कर लिया था ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उक्त व्यक्तियों के निकाय द्वारा 31 दिसम्बर, 1983 तक की, जिसमें
485 GI/83

यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए जारी रखा जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 85) की धारा 18-कक की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि ऊपर अन्तिम वर्णित आदेश 31 दिसम्बर, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा ।

[फाइल सं. 6(3)/79-सी. यू. एस.]

ए. पी. सरवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)
New Delhi, the 21st July, 1983

ORDER

S.O. 514(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 375(E), dated the 22nd July, 1975, read with the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O.

(1)

405(E), dated the 20th June, 1977, S.O. No. 406(E), dated the 16th July, 1979, S.O. No. 556(E), dated the 21st July, 1980, S.O. No. 575(E), dated the 20th July, 1981, S.O. 515(E), dated the 21st July, 1982 and S.O. 27(E), dated the 19th January, 1983, the management of the Industrial Undertaking known as Messrs Glucinate Limited, Calcutta had been taken over by the body of persons referred to in the Order first mentioned above for a period upto and inclusive of the 21st July, 1983;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest

that the management of the said Industrial Undertaking by the said body of persons should continue for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1983.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1983.

[File No. 6(3)/79-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.